पत्रकार वार्ता के मुख्य बिंदु **सितंबर** 05, 2015

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित किया।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे पहले यहां सीएलपी लीड़र छत्तीसगढ़, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ और उनके साथ देवव्रत सिंह जो हमारे फॉर्मर एमपी रहे हैं, हम उनका स्वागत करते हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की और देशवासियों को आज जनमाष्टमी का पवित्र पर्व है उसकी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा "कर्मेण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचत मा कर्मफलहेतु भूर्मा ते संगोस्तवकर्मणि" जो सिद्धांत दिया गया था उसको आज दुबारा अपने अंदर पूरी तरह से आत्मसात कर देशवासियों की भलाई की कामना भी करते हैं। श्रीमद् भगवत गीता में भगवान कृष्ण ने कहा भी है सुख-दु:खे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ ततो युद्धाये युज्दस्व नैवं पापमवाप्स्दसि, इसका मतलब है: सुख - दुख, लाभ - नुकसान, जीत - हार में अपने को सम रखकर युद्ध करो। इस तरह तुम पाप से बच सकते हो।

आज शिक्षक दिवस है हमारे देशवासियों और शिक्षक गणों को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से एक उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं का संदेश हम देते हैं।

आज एक और घोटाले के बारे में हम आपको बाताना चाहते हैं। लगातार होने वाले घोटालों ने छत्तीसगढ़ के बीजेपी के शासन का पर्दाफाश कर दिया है। भ्रष्टाचार के मामले में अब "Three P's" **की संज्ञा उसको दी जा सकती है।** Protection, Preservation and Promotion **यह उनका शोक बन गया है।**

कांग्रेस पार्टी ने 4 **अप्रेल** 2015 **को देश के सबसे बड़े व्यापक पीडीएस पब्लिक डिस्टीब्यूशन सिस्टम घोटाले की व्याख्या इसी मंच से सीएलपी और पीसीसी प्रसिडेंट दोनों की मौजूदगी में की थी। यह साबित किया गया कि किस प्रकार से जो चालान पेश किए गए थे, उन डॉयरियों के अंदर भी डा. रमन सिंह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और उनके परिवार जनों का नाम शामिल है। इसके बावजूद भी उनको आरोपी नहीं बनाया गया।**

आज उसी कड़ी में एक और घोटाले 'इंदिराप्रियदर्शनी महिला नागरिक सहकारी बैंक की व्याख्या करने आपके समक्ष हम सब आए हैं।

5 **अगस्त** 2015 **को छत्तीसगढ़ की अदालत में पुलिस द्वारा लगभग** 30-35 **दिन पहले चार्ज शीट फ्रेम की गई। उस चार्ज शीट में जो सबसे मुख्य आरोपी हैं इस घोटाले के छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह, उनके मंत्रीमंडल के तीन सदस्य श्री अमरनाथ अग्रवाल, श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्री राजेश मुड़त पूर्व**

सहाकारिता मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव श्री राम विचार नेतम इन सबका नाम बेईमानी, धोखाधड़ी और जालसाजी से छत्तीसगढ़ की पुलिस ने वहां के मुख्यमंत्री और सरकार के इशारे पर निकाल कर फैंक दिया। एक लाईन में अगर इस घोटाले की चर्चा करें तो इस घोटाले में 25 हजार 716 जो बैंक के धारक थे उनका 54 करोड़ 38 लाख रुपये का गबन हुआ।

पुलिस की दर्खास्त पर और न्यायालय के आदेश पर मुख्य आरोपी उमेश सिन्हा का नार्को एवं ब्रेन मेपिंग टेस्ट बैंगलोर की फॉरेंसिक लेबोरट्री में किया गया। उस न्यायालय के आदेश के अनुरुप आये टेस्ट में यह साफ है कि यह पैसा सीधा डॉ. रमन सिंह के पास गया, उनके मंत्रीमंडल के सदस्यों के पास गया, जिनमें से एक बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव भी
हैं। मुख्य आरोपी श्री उमेशसिन्हा के नार्को एनालिसिस और ब्रेन मेपिंग टेस्टकी डीवीडी ने साफ कर दि या, कि लूट की यहरकम हर किसी के बीच बांटी गई थी, जिसमेंसिविल और पुलिस प्रशासन के उच्च अ धिकारीभी शामिल थे। सालों से ये लोग 'सच्चाई कोछिपाने,
'जांच को भटकाने और राज्य के न्यायालय एवं लोगों को गुमराह करने कीकोशिश कर रहे हैं।

चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी काप्रमुख नारा था, 'ना खाउंगा, ना खाने दूंगा'।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मांग करती है, किप्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपानिम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:-

1. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह औरउनके मंत्रिमंडल के सदस्यों- श्री बृज मोहन अग्रवाल, श्री अमर अग्रवाल, श्री राजेश मुड़त एवंअन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज क्योंनहीं कराई गई? उन्हें आरोपी क्यों नहीं बनायागया और भ्रष्टाचार निरोधी कानून के प्रावधानों केतहत उनके खिला फ आरोप तय क्यों नहीं किएगए?

2. इसमें कोई संदेह नहीं, कि न्यायालय के04.06.2007 के आदेश के अनुसार मुख्यआरोपी श्री उमेश सिन्हा न्हा का नार्को एनालिसिसएवं ब्रेन मैपिंग टेस्ट मुख्य जांच अधिकारी केनिवेदन पर किया गया था। इस टेस्ट में खुलासाहो गया, कि किस प्रकार बैंक के 54.38 करोड़रु. का गबन करके आपस में बांटा गया।

फिर छत्तीसगढ़ सरकार ने इस केस में टेस्ट रिपोर्टको सबसे महत्वपूर्ण 'लिंक सबूत' के रूप में पेशक्यों नहीं किया? क्या यहां मुख्यमंत्री, उनकेमंत्रिमंडल के सदस्यों और वरिष्ठ पुलिसअधिकारियों को बचाने के लिए पूरे घोटाले कोछिपाने का घिनौना प्रयास नहीं किया गया है?क्या अपराधी को बचाने के लिए यह

बेशर्मकोशिश नहीं की गई है? यदि दूसरे बड़े केसों जैसेअजमल कसाब, गुलशन कुमार हत्या मामले औरहा हाल में पकड़े गए आतंकी नवेद के मामले में नार्कोटेस्ट किया जा सकता है, तो छत्तीसगढ़ में यहटेस्ट जांच अधिकारी की मांग पर स्वतंत्र फोरेंसिकलैबोरेटरी में क्यों नहीं किया जा सकता है, औरन्यायालय के के आदेश के तहत 25,716 खाताधारकों के पैसे का गबन करने वाले इसघोटाले का पर्दाफाश करने के लि लिए इस टेस्ट कीरिपोर्ट पेश क्यों नहीं की जा सकती है?

3. क्या प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अब न्याय करनेके लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री- डॉ. रमन सिंह, छत्ती त्तीसगढ़ मंत्रिमंडल के मंत्रियों और भाजपा केराष्ट्रीय पदाधिकारियों को फौरन बर्खास्त करनेका साहस दि दिखाएंगे ?

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मांग करती है, कि सच्चाईजानने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निरीक्षण में एक एसआईटी गठित की जाए, जोइस मामले की जांच करे। जांच पूरी होने तकछत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह समेत सभीआरोपियों को उनके पद से बर्खास्त किया जाए।

एक प्रश्न पर कि वन रेंक वन पेंशन पर कांग्रेस पार्टी का क्या स्टेंड है? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि वन रेंक वन पेंशन का निर्णय अभी आया नहीं है। हम चाहेंगे की भारत सरकार जब भी उस निर्णय पर फैसला ले उस पर भिन्न-भिन्न स्वर आये हैं, उसका अवलोकन करते हुए उसपर व्यापक टिप्पणी करेंगे। हम यह भी याद दिलाना चाहेंगे कि सितंबर 2013 में रेवाड़ी हरियाणा में एक जनसभा में तत्कालिन प्रधानमंत्री पद के दावेदार श्री मोदी ने वन रेंक वन पेंशन को बगैर शर्त 100 दिन में लागू करने का वादा किया था। आज उनकी सरकार ने इतनी शर्ते वन रेंक वन पेंशन में लगा दी हैं कि ना तो हमारे 30 लाख सैनिक और ना ही सरकार उनको दोनों को स्पष्टता नहीं कि कैसे वन रेंक वन पेंशन लागू होगी। हम पीएम जी को यह भी याद दिलाना चाहेंगे कि 1 अप्रेल 2014 से 27 फरवरी 2014 को निर्णय करके कांग्रेस सरकार ने वन रेंक वन पेंशन को बगैर शर्तें लागू करने का निर्णय किया था और इस बारे में एक आदेश जारी किया था कि 500 करोड़ की राशी पूर्व वित्त मंत्री पी.चिदम्बरम जी ने अंतरिम बजट में रख दी थी। सरकार आने के बाद मोदी जी की भाषा और OROP की व्याख्या दोनों बदल गई। हमें उम्मीद है कि 30 लाख सैनिकों के साथ सरकार न्याय करेगी क्योंकि यह उनका हक है।

एक अन्य प्रश्न पर कि छत्तीसगढ़ के घोटाले को क्या कांग्रेस पार्टी संसद में लेकर जाएगी? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि बीजेपी के तीन मुख्यमंत्री घोटालों में संलिप्त पाये गए हैं। व्यापम घोटाले के तहत आज भी जिस प्रकार से 49 लोगों की मौत हुई है, उससे किसी का भी मन भयभीत हो जाता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इसके लिए जिम्मेवार हैं। माननीय मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जी ने नहीं बताया कि उन्होंने ब्रिटेन की सरकार को ललित मोदी जो कि भगोड़िया हैं उसके लिए शपथ पत्र क्यों दिया था। उनकी कंपनी में ललित मोदी और उनकी पत्नी ने पैसा इनवेस्ट क्यों किया था।

आज तक भी डॉ. रमन सिंह जी ने या बीजेपी ने यह नहीं बताया कि इस घोटाले में जो छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा घौंटाला है, चालान के साथ जो साक्ष्य लगाए गए हैं उसमें उनका और उनके परिवार का नाम है फिर भी अपने पद पर बने हैं।

Cong demands Chhattisgarh CM's removal over bank scam

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Demanding the removal of Chhattisgarh chief minister Raman Singh, the Congress on Saturday claimed that a narco analysis test conducted on the main accused Umesh Sinha in a multi-crore cooperative bank scam has clearly indicted him and his three ministerial colleagues.

The party also demanded a Supreme Court-monitored SIT probe into the ₹54.38 crore scam in which hard earned money of 25,716 depositors of the bank had allegedly been siphoned off.

"That is the only way to trace the truth. Until then, all the guilty including the Chhattisgarh CM must be sacked forthwith," party's chief spokesman Randeep Singh Surjewala said. The party had earlier held that the chief minister was squarely responsible for the alleged PDS scam in the state.

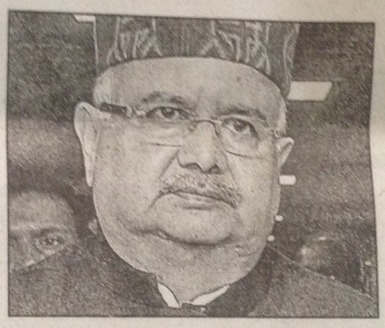

Chhattisgarh CM Raman Singh

Flanked by state Congress chief Bhupesh Baghel and Congress Legislature Party (CLP) leader TP Singhdeo, Surjewala showed part of a video of the narco analysis test of Sinha to claim that the test clearly indicts the CM, his ministerial colleagues Brij Mohan Agarwal, Amar Agarwal and Rajesh Mudat and also national BJP secretary Ram Vichar Netam. "For obvious reasons, the Chhattisgarh police never produced the report, including video recording of the narco test, before the court hearing the case," he said.

THE CONGRESS HAD EARLIER HELD THAT THE CHIEF MINISTER WAS SQUARELY RESPONSIBLE FOR THE ALLEGED PDS SCAM IN THE CHHATTISGARH

Surjewala wondered as to why narco test report was not produced as it is the most important "link evidence" in the Indira Priyadarshini Mahila Nagrik Sahkari Bank scam case.